RNI No. UPHIN/2016/70868

जनवरी 2024

नोएडा न्यूज

अंदर के पन्नों में

- गांव की सफाई के नाम पर भ्रष्टाचार
- पुलिस कमिश्नरेट, गौतम बुद्ध नगर
- राम मंदिर
- स्किन केयर

संपादकीय

इंग्लिश के बिना तो काम नही चलेगा

कपिल चौधरी

यदि किसी के मन में सचमुच ग्लोबल सिटिजन बनने की लालसा हो तो उसका काम अंग्रेजी के बिना नहीं चल सकता। अंग्रेजी भविष्य का उपकरण है– फ्यूचर टूल। भाषाओं के बारे में किए गए एक मोटे सर्वे से यही नतीजा निकलता है। दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है चीन की मंदारिन। लगभग 84 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनकी यह प्राथमिक भाषा है। दूसरे देशों में मातृभाषा को प्राथमिक भाषा (प्राइमरी लैंग्वेजऋ कहते हैं। यदि इनमें उन लोगों को भी शामिल कर लें जो इसे बोल और समझ सकते हैं, लेकिन जिनके लिए यह सेकंडरी लैंग्वेज है तो मंदारिन भाषियों की संख्या एक अरब से भी ज्यादा हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र में भी यह मान्यता प्राप्त छह भाषाओं में से एक है। लेकिन इसका भौगोलिक विस्तार कम है। यह सिर्फ चीन के एक बड़े हिस्से में बोली जाती है। इसके अलावा तिब्बत, ताइवान, सिंगापुर और ब्रुनेई में भी इसका कुछ-कुछ चलन है।

मंदारिन और स्पैनिश की तुलना में अंग्रेजी को अपना प्राइमरी लैंग्वेज बताने वालों की संख्या आज भी कम है, वैसे है यह भी 32 करोड़ के आसपास ही। लेकिन इसमें सेकंडरी लैंग्वेज वालों को मिला दें, तो यह स्पैनिश से कहीं ज्यादा लोकप्रिय है। अंग्रेजी का सबसे मजबूत पक्ष है इसका भौगोलिक विस्तार। ब्रिटेन के अलावा उत्तरी अमेरिका, मध्य अमेरिका और अफ्रीका के ज्यादातर देशों में इसे ऑफिशल लैंग्वेज का स्टेटस मिला हुआ है। इसके अलावा बहुत सारे देश ऐसे हैं, जहां यह प्रचलन में तो खूब है, लेकिन इसे एकमात्र ऑफिशल लैंग्वेज नहीं माना जाता। ज्यादातर एशियाई देशों में इसे यही दर्जा प्राप्त है।

इस क्रम में हिंदी को आप चौथे नंबर पर रख सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि वह उर्दू, मैथिली और भोजपुरी आदि सबको अपना ही एक रूप माने। इस तरह प्राइमरी लैंग्वेज की तरह हिंदी लगभग दो करोड़ लोगों की भाषा है और दूसरी भाषा की तरह इसको अपनाने वालों को मिला दें तो पूरी दुनिया में लगभग साढ़े पांच करोड़ लोग किसी न किसी रूप में हिंदी का व्यवहार कर रहे हैं। हिंदी भी सिर्फ हिंदुस्तान के कुछ राज्यों तक सिमटी हुई भाषा नहीं है।

गांव की सफाई के नाम पर भ्रष्टाचार

ग्रेटर नोएडा। कपिल चौधरी

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सफाई व्यवस्था बेहद खराब स्थिति में चल रही है गांव में तो बहुत ही ज्यादा खराब स्थिति सफाई व्यवस्था की बनी हुई है।जगह-जगह कूड़े के ढेर वहां दिखाई देंगे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के औचक निरीक्षण दौर भी आपको सिर्फ सोसाइटियों तक ही दिखाई देंगे।

गांव की सफाई के नाम पर भ्रष्टाचार

गांव में साफ सफाई सिर्फ खानापूर्ति के लिए की जा रही है गांव में आबादी के हिसाब से सफाई कर्मचारी प्राधिकरण की तरफ से नियुक्त किए गए हैं। लेकिन ठेकेदार द्वारा अधिकारियों की मिली भगत से सफाई कर्मचारी सिर्फ एक या दो ही पहुंच पाते हैं और वह भी अगर झाड़ू लगा जाते हैं तो हफ्ते हफ्तों तक कूड़ा उठाने के लिए नहीं आते हैं सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली से भी ऐसा लगता है गांव में साफ सफाई की कोई जरूरत नहीं है। गांव के लोग तो सिर्फ कभी-कभी एक एक या दो कर्मचारियों के हाथ में झाड़ू देखकर ही खुश हो जाएंगे। बताया जाता है कि स्वास्थ्य विभाग के एक बड़े अधिकारी की अपने विभाग में कम रुचि है जबकि दूसरे विभागों में ज्यादा रुचि रहती है ऐसे में अपने विभाग का काम अच्छे से कैसे हो पाएगा।

वैधानिक सूचना :

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस पत्रिका में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन व आर्टिकल में दिए गये तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हों लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक सम्पूर्ण व्यायहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है। तो नोएडा व्यूज के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नही होगी।

ई-मेल : noidaviews2014@gmail.com

जिस निर्माण को अवैध बताकर प्राधिकरण तोड़ता है, क्या कभी सोचा है कि यह निर्माण हो क्यों रहा है?

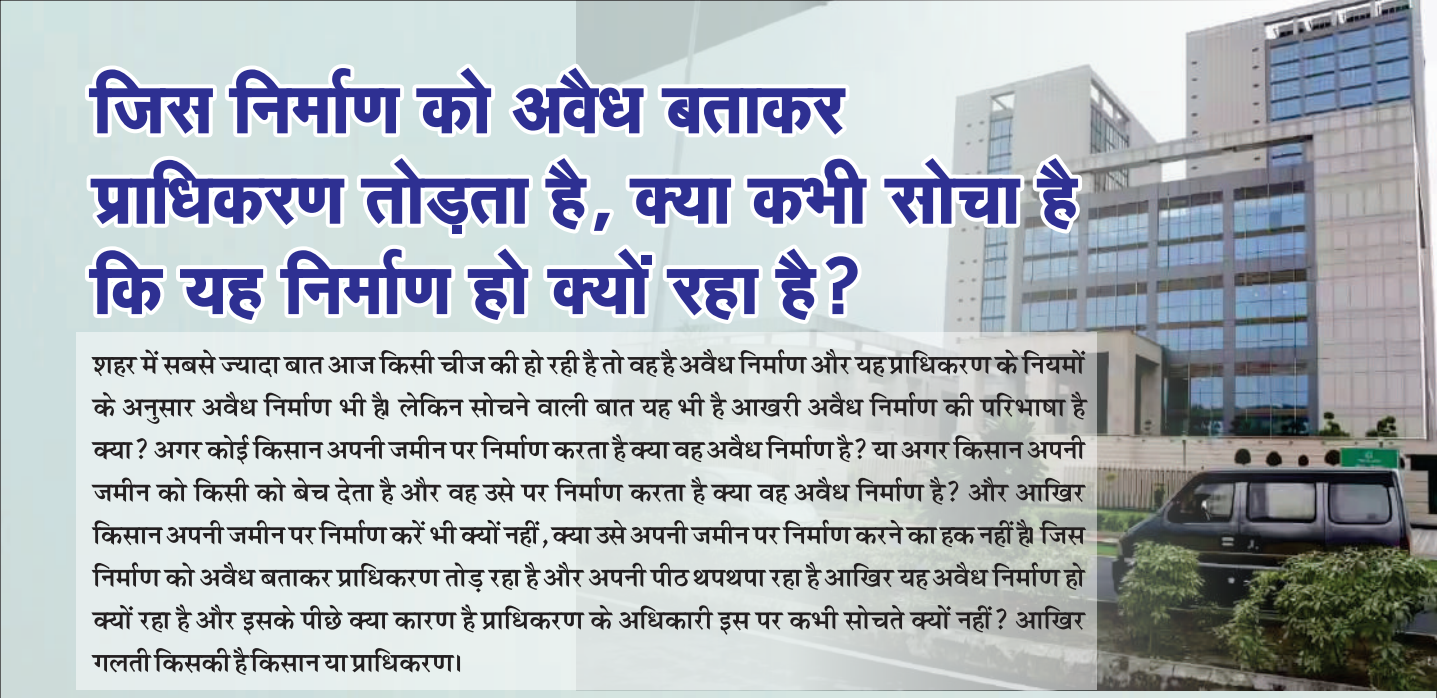

शहर में सबसे ज्यादा बात आज किसी चीज की हो रही है तो वह है अवैध निर्माण और यह प्राधिकरण के नियमों के अनुसार अवैध निर्माण भी है। लेकिन सोचने वाली बात यह भी है आखरी अवैध निर्माण की परिभाषा है क्या? अगर कोई किसान अपनी जमीन पर निर्माण करता है क्या वह अवैध निर्माण है? या अगर किसान अपनी जमीन को किसी को बेच देता है और वह उसे पर निर्माण करता है क्या वह अवैध निर्माण है? और आखिर किसान अपनी जमीन पर निर्माण करें भी क्यों नहीं, क्या उसे अपनी जमीन पर निर्माण करने का हक नहीं है। जिस निर्माण को अवैध बताकर प्राधिकरण तोड़ रहा है और अपनी पीठ थपथपा रहा है आखिर यह अवैध निर्माण हो क्यों रहा है और इसके पीछे क्या कारण है प्राधिकरण के अधिकारी इस पर कभी सोचते क्यों नहीं? आखिर गलती किसकी है किसान या प्राधिकरण।

जिन्हें प्राधिकरण अवैध बता रहा है वह गरीबों के आशियाने

प्राधिकरण के ढुलमुल रवैया के कारण किसान या तो खुद निर्माण कर रहे हैं या फिर किसी दूसरे व्यक्ति को बेच रहे हैं। आखिर हजारों लोग इन जमीनों पर अपने सपनों के आशियाने की आस क्यों लगाए हुए हैं। ग्रेटर नोएडा शहर बहुत महंगा शहर हो चुका है जबकि यहां बाहर से आने वाले 30-40 प्रतिसत लोगों की मंथली आय 30 हजार तक ही है। ऐसे में यह लोग प्राधिकरण द्वारा विकासशील सेक्टर या सोसाइटी में घर नहीं खरीद सकते हैं। तो ऐसे में वह रुख करते हैं कच्ची कश्वलोनी का, यहां उन्हें सस्ते दामों पर अपने सपनों का आशियाना मिल जाता है। जबकि प्राधिकरण की इस वर्ग के लिए कोई योजना नहीं है। गांव में कालोनियां बननी तब शुरू हुई जब किसान को मुआवजे की राह देखते हुए दशक को बीत गए। लेकिन प्राधिकरण उनके पास तक नहीं पहुंचा। ऐसे में किसान को बच्चों की शिक्षा के लिए, मकान बनाने के लिए और बच्चों की शादी के लिए पैसों की जरूरत है तो पैसों का इंतजाम कैसे करें और प्राधिकरण से मुआवजा मिल नहीं रहा है। तो उसके पास सिर्फ एक ही विकल्प बचता है अपनी जमीन को किसी प्राइवेट व्यक्ति को बेचना और वह प्राइवेट व्यक्ति किसान को उसकी जमीन का प्राधिकरण से ज्यादा पैसा देता है यही कारण है निर्माण बढ़ाने का।

प्राधिकरण अधिग्रहण कब करेगा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की स्थापना को लगभग 30 वर्ष से ज्यादा हो गए हैं। स्थापना के साथ ही प्राधिकरण ने सैकड़ो गांव को अपने अधिसूचित क्षेत्र में ले लिया। साथ ही उनका विकास करने का बीड़ा उठाया। लेकिन प्राधिकरण की योजनाएं फेल होती नजर आ रही है क्योंकि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपने सबसे महत्वपूर्ण 130 मी रोड के नजदीकी गांव का भी अधिग्रहण नहीं कर पाया है। तो ऐसे में किसान कब तक प्राधिकरण का इंतजार करें। आखिरकार किसान की भी मजबूरियां है या तो वह अपनी जमीन पर निर्माण करें। या अपनी किसी जरूरत के लिए जमीन को किसी दूसरे व्यक्ति को बेच और अगर वह अपनी जमीन पर निर्माण करता है तो उसे अवैध बता दिया जाता है।

पुलिस कमिश्नरेट, गौतम बुद्ध नगर

लक्ष्मी सिंह, पुलिस कमिश्नर

गौतम गौतम बुद्ध नगर प्रदेश की आर्थिक राजधानी है। यह जिला प्रदेश को सबसे ज्यादा आर्थिक लाभ पहुंचता है। यहां की आबादी भी लगातार बढ़ रही है गौतम बुद्ध नगर में मुख्यत: इस समय तीन प्राधिकरण कार्य कर रहे हैं और तीनों ने ही अपने-अपने शहर बसाए हैं। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी और यहां पर देश के कोने कोने – कौन से लोग आकर के बस रहे हैं। बड़े-बड़े व्यवसाय घराने गौतम बुद्ध नगर में निवेश कर रहे हैं। ऐसे में इस जिले की सुरक्षा व्यवस्था अति महत्वपूर्ण हो जाती है। जिसे देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने 15 जनवरी 2020 को गौतम बुद्ध नगर में कमिश्नरी प्रणाली लागू की और जिले में आईजी रैंक के अधिकारी को कमिश्नर नियुक्त किया।

इस समय जिले की सुरक्षा व्यवस्था की कमान पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के हाथों में है। उन्होंने 28 नवंबर 2022 को गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नर की कुर्सी संभाली थी और उसी दिन से पुलिस व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उनका मानना है कि शहर में कोई भी ब्लैक स्पॉट नहीं होना चाहिए हर जगह पर पुलिस की नजर हो। आज हर चौक चौराहे पर दिखती है पुलिस पहले के समय में पुलिस एक दो जगह ही दिखाई देती थी। लेकिन अब चाहे दिन हो या रात पुलिस आपको हर चौराहे और हर ब्लैक स्पॉट पर दिखाई देगी। कमिश्नरेट प्रणाली शुरू होने के बाद जिले में अधिकारियों और सिपाहियों की संख्या कई गुना कर दी गई। जिससे कि शहर के नागरिकों को पुलिस की मौजूदगी का ज्यादा से ज्यादा एहसास हो और वे अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें और किसी भी क्राइम सपोर्ट पर पहुंचने में समय ज्यादा ना लगे।

संगठित अपराध पर तगड़ा प्रहार

गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने संगठित अपराध पर योजना बद्ध तरीके से प्रहार कर संगठित अपराध की कमर तोड़ दी है। आज अपराधियों के जेहन में नोएडा पुलिस का खौफ है। पिछले कुछ समय से बड़ी अपराधी घटनाओं पर लगाम लगी है। यहां तक की लूटपाट और चोरी की घटनाएं भी ना के बराबर हो गई है जिन अपराधियों के खिलाफ कोर्ट में कैसे चल रहे हैं कमिश्नर ने स्पेशल टीम बनाकर के सख्त के साथ केस की पैरवी की गयी। जिसके बाद बड़े-बड़े बदमाशों को सजा सुनाई गई। बदमाशों की संपत्तियों को कुर्क किया गया और उनके ग्रहों को तोड़ने का काम भी शक्ति के साथ किया गया।

गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने जिले की जरूरत को देखते हुए कई नए थानों का गठन कराया और बहुत सारी नई पुलिस चौकी भी बनवाई। जिससे कि ज्यादा से ज्यादा एरिया को पुलिस कवर कर सके।

इस समय पुलिस पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कार्य को कर रही है और शहर के निवासियों को यह विश्वास दिलाने में भी कामयाब हो रही है। कि वह कमिश्नरेट पुलिस के संरक्षण में बिल्कुल सुरक्षित है। हर नागरिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस की है। अब शहर के नागरिकों को यह विश्वास हो गया है कि वह रात के किसी भी समय अपने दफ्तर से घर जा सकते हैं उनके साथ कोई भी अप्रिय घटना होने की उम्मीद ना के बराबर है और शहर वासियों के मन में विश्वास पैदा करना बड़ी बात है और साथ ही गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट और बेहतर के लिए प्रयासरत है।

देश में वैसे तो अंकगणित जातियां हमने बना रखी है । जिनमे हम बटे हुए हैं और एक दूसरे से भेदभाव करते हैं। लेकिन मुख्यतः चार बड़ी जातियां हैं जो देश की रीड है और उन्हें सशक्त करना बेहद जरूरी है । तभी हमारा देश एक विकसित देश बन सकता है जिसमें से एक है गरीबी जिसने एक चौथाई आबादी को विकास का स्वाद चखने से दूर कर रखा है। दूसरी जाति है युवा जो कि रोजगार के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं। तीसरी जाति है महिला जो की आधी आबादी का हिस्सा है अभी भी अपने हक के लिए लड़ रही है और चौथी जाति है किसान जो सभी का पेट भर रहे हैं लेकिन खुद भूखे सो रहे हैं।

इन चार जातियों को सशक्त करना बेहद जरूरी

यह जातियां आज गरीबी और अपने-अपने दुख से गुजर रही है सरकार को इन जातियों को सशक्त करना बेहद जरूरी है।

युवा

युवाओं की बहुत बड़ी आबादी है। लगभग आधा भारत 28 वर्ष (औसत आयु) से कम आयु का है। पीएलएफएस (जुलाई 2022- जून 2023) के अनुसार 15 से 29 वर्ष की आयु के लोगों की बेरोजगारी दर 10% है। स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया रिपोर्ट 2023 के अनुसार 25 वर्ष से कम आयु वाले स्नातक में बेरोजगारी दर 42-3% है स्नातक छात्रें की जैसे-जैसे उम्र बढ़ती गई बेरोजगारी दर कम हो गई। लेकिन 30 से 34 वर्ष की आयु के स्नातकों के बीच भी बेरोजगारी दर 9.8 प्रतिशत है। उच्च बेरोजगारी का असर आंतरिक प्रवासन, अपराध, हिंसा और नशे के उपयोग में बढ़ोतरी में दिखता है। विगत जुलाई में संसद में एक लिखित जवाब में सरकार ने खुलासा किया कि मार्च 2022 में सरकारी महकमा में 9,64,359 पद खाली थे। सरकार की तरफ से युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार देने की कोशिश की जा रही है और युवाओं को स्वयं लंबी बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बिना किसी गारंटी के लोन दिए जा रहे हैं।

गरीब

यूएनडीपी के अनुमान भारत में 22.8 करोड़ लोग गरीब है जो जनसंख्या का 16% है। यह आकलन गरीबों को मापने के बेहद निम्न पैमाने पर आधारित है। जिसमें शहरी इलाकों में प्रति महीने प्रति व्यक्ति आय 1286 रुपए और ग्रामीण इलाकों में 1089 रुपए है। देश की निचली 50% आबादी के पास केवल तीन प्रतिशत संपत्ति है और वे कुल राष्ट्रीय आय का केवल 13 फीसदी अर्जित करते हैं। इस वर्ग में 32-1% बच्चे कम वजन के, 19-3% कमजोर और 35-5% कम लंबाई के हैं। इसीलिए सरकार ने अगले 5 साल तक 81 करोड लोगों यानी 57% आबादी को प्रति व्यक्ति प्रति महा 5 किलोग्राम मुफ्त राशन देना आवश्यक समझा। इसका साफ मतलब है कि देश में बड़े पैमाने पर कुपोषण और भुखमरी है। लेकिन इस 57% में कुछ वह लोग भी राशन ले रहे हैं जो की गरीबी रेखा से ऊपर आते हैं।

यह चारों जातियां अभी भी कमजोर स्थिति में चल रही है। सरकार को उनके लिए और योजनाएं लाकर के इनको समृद्ध बनाना चाहिए। अगर यह चारों जातियां समृद्ध हो जाती है तो देश नई-नई ऊंचाइयों को छूने के लिए अग्रसर होगा।

किसान

एनसीआरबी का आकड़ा बताता है कि वर्ष 2014 और 2022 में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या अधिक रही है। यदि इसमें कृषि मजदूरों की संख्या को भी जोड़ दिया जाए तो 2020, 2021 और 2022 में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या क्रमवार 10600, 10881 और 11290 रही है। हर साल किसान जी तोड़ मेहनत से गेहूं और चावल की रिकार्ड पैदावार करते हैं जिसका सबूत केंद्रीय पूल में इसके बढ़ते भंडारण से मिलता है। इसके बावजूद किसान गरीब है जब कृषि उत्पादक की कीमत कम होती है तब किसानों को नुकसान होता है। किसानों के पिछड़ेपन का मुख्य कारण है छोटी जोत, खेती में बढ़ती लागत, एमएसपी पर दम नहीं मिल पाना, प्राकृतिक आपदाएं आदि जबकि कि सरकार ने कुछ प्रभावी कदम उठाए हैं। किसानों के खाते में सीधी धनराशि भेजना, फसल बीमा योजना आदि। किसानों के हित के लिए कार्य किए गए हैं लेकिन अभी और प्रभावी कदम उठाने बाकी है।

महिला

महिलाएं आबादी का आधा हिस्सा है और उनके पिछड़ी पान के कई कारण है। जिसमें पितृसत्ता, प्रतिगामी सामाजिक और सांस्कृतिक मापदंड, कम शिक्षा, कम संपत्ति, लैंगिक भेदभाव और महिलाओं के खिलाफ अपराध मुख्य है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार (दिसंबर 2023) 2021 की तुलना में 2022 में महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामलों में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई और 2022 में महिलाओं के खिलाफ 4,45,000 अपराध दर्ज किए गए। ज्यादातर अपराध परिवार के सदस्यों द्वारा कुरुता, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, बलात्कार और दहेज की मांग के थे। लैंगिक असमानता और भेदभाव जिंदगी के हर क्षेत्र में पाया जाता है। खासतौर पर आय के मामले में। अनौपचारिक क्षेत्र में पुरुष कामगार महिला कामगारों की तुलना में 48% अधिक कमाते हैं। जबकि नियमित वेतन वाले पुरुष महिलाओं की तुलना में 24 फीसदी अधिक कमाते हैं। भारत सरकार लैंगिक भेदभाव को कम करने के लिए काफी कदम उठाए हैं और उनका क्रियान्वत भी जमीनी स्तर पर कराया जा रहा है।

DEMUJA
DRY FRUITS
TM
REPUBLIC
DAY
SALE
10 – 26 January 2024
DEMUJA DRY FRUITS
Anjeer
DEMUJA DRY FRUITS
Almonds
ZERO CHOLESTEROL | HIGH PROTEIN
DEMUJA DRY FRUITS
Cashews
DEMUJA DRY FRUITS
Pistachio
DEMUJA DRY FRUITS
UPTO
50%
OFF
COUPON CODE
"DEMUJA10"
ORDER NOW – WWW.DEMUJA.IN

राम मंदिर

राम मन्दिर अयोध्या में राम जन्मभूमि के स्थान पर बनाया जा रहा एक हिन्दू मन्दिर है जहाँ मान्यताओं के अनुसार, हिन्दू धर्म के भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम का जन्मस्थान है। मन्दिर निर्माण की पर्यवेक्षण श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्रा कर रहा है। 5 अगस्त 2020 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भूमिपूजन अनुष्ठान किया गया था और मन्दिर का निर्माण आरम्भ हुआ था ।

इतिहास हरि विष्णु के एक अवतार माने जाने वाले राम एक व्यापक रूप से पूजे जाने वाले हिन्दू राजा हैं। प्राचीन भारतीय महाकाव्य, रामायण के अनुसार, राम का जन्म अयोध्या में हुआ था। इसे राम जन्मभूमि या राम की जन्मभूमि के रूप में जाना जाता है। 15 वीं शताब्दी में, मुगलों ने राम जन्मभूमि पर एक मस्जिद, बाबरी मस्जिद का निर्माण किया। हिन्दुओं का मानना है कि मस्जिद का निर्माण एक हिन्दू मन्दिर को खंडित करने के बाद किया गया था। यह 1850 के दशक में ही था जब विवाद हिंसक रूप में सामने आया था।

विश्व हिन्दू परिषद् ने घोषणा की थी कि वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ द्वारा रोकने के आदेश दिए जाने से पहले विवादित क्षेत्र पर मन्दिर की आधारशिला रखेगी। विहिप ने तब उन पर ''श्री राम'' लिखी धनराशि और ईंटें एकत्रि की। बाद में, राजीव गान्धी मन्त्रलय ने वीएचपी को शिलान्यास की अनुमति दे दी, तत्कालीन साथ तत्कालीन गृह मन्त्री बूटा सिंह ने तत्कालीन वीएचपी नेता अशोक सिंघल को अनुमति दे दी। प्रारम्भ में केन्द्र और राज्य सरकारें विवादित स्थल के बाहर शिलान्यास के आयोजन पर सहमत हुई थीं। हालांकि, 9 नवम्बर 1989 को, विहिप नेताओं और साधुओं के एक समूह ने विवादित भूमि पर 7 घन फुट गड्ढे खोदकर आधारशिला रखी। सिंहद्वार यहाँ स्थापित किया गया था। कामेश्वर चौपाल (बिहार के एक दलित नेता) पत्थर बिछाने वाले पहले लोगों में से एक बने।

विवाद का हिंसक रूप दिसम्बर 1992 में बढ़ गया जब बाबरी मस्जिद का विध्वंस हुआ। विभिन्न शीर्षक और कानूनी विवाद भी हुए, जैसे कि अयोध्या अध्यादेश, 1993 में निश्चित क्षेत्र के अधिग्रहण का मामला 2019 अयोध्या विवाद पर उच्चतम न्यायालय का निर्णय लिया गया था कि विवादित भूमि को सरकार द्वारा गठित एक ट्रस्ट को सौंप दिया जाए गठित ट्रस्ट श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र था। 5 फरवरी 2020 को संसद में घोषणा की गई थी कि द्वितीय मोदी मन्त्रलय ने मन्दिर निर्माण की एक योजना को स्वीकार कर लिया है।

राम लल्ला, 1989 के बाद से विवाद के अदालती मामले में मुकदमेबाज थे। उनका प्रतिनिधित्व विहिप के वरिष्ठ नेता त्रिलोकी नाथ पाण्डे ने किया, जिन्हें राम लल्ला का अगला 'मानव' मित्र माना जाता था।

वास्तुकार

राम मंदिर के लिए मूल डिजाइन 1988 में अहमदाबाद के सोमपुरा परिवार द्वारा तैयार किया गया था। सोमपुर कम से कम 15 पीढ़ियों से दुनिया भर के 100 से अधिक मंदिरों के मंदिर के डिजाइन का हिस्सा रहा है। राम मंदिर के लिए एक नया डिजाइन, मूल डिजाइन से कुछ बदलावों के साथ, 2020 में सोमपुरवासियों द्वारा तैयार किया गया था। मंदिर 235 फीट चौड़ा, 360 फीट लंबा और 161 फीट ऊंचा होगा। मंदिर के मुख्य वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा के साथ उनके दो बेटे निखिल सोमपुरा और आशीष सोमपुरा भी हैं, जो आर्किटेक्ट भी हैं। सोमपुरा परिवार ने राम मंदिर को 'नागरा' शैली की वास्तुकला के बाद बनाया है, जो भारतीय मंदिर वास्तुकला के प्रकारों में से एक है। मंदिर परिसर में एक प्रार्थना कक्ष होगा, ''एक रामकथा कुंज (व्याख्यान कक्ष), एक वैदिक पाठशाला (शैक्षिक सुविधा), एक संत निवास (संत निवास) और एक यति निवास (आगंतुकों के लिए छात्रवास)'' और संग्रहालय और अन्य सुविधाएं जैसे एक कैफेटेरिया। एक बार पूरा होने के बाद मंदिर परिसर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हिंदू मंदिर होगा। प्रस्तावित मंदिर का एक मॉडल 2019 में प्रयाग कुंभ मेले के दौरान प्रदर्शित किया गया था।

निर्माण

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ने मार्च 2020 में श्री राम मन्दिर के निर्माण का पहला चरण शुरू किया। हालाँकि, भारत में COVID-19 महामारी लॉकडाउन के बाद 2020 चीन-भारत झड़पों ने निर्माण को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया। निर्माण स्थल के समतल और खुदाई के दौरान एक शिवलिंग, खम्भे और टूटी हुई मूर्तियाँ मिलीं। 25 मार्च 2020 को भगवान राम की मूर्ति को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में एक अस्थायी स्थान पर ले जाया गया।
इसके निर्माण की तैयारी में, विश्व हिन्दू परिषद ने एक विजय महामन्त्री जाप अनुष्ठान का आयोजन किया, जिसमें 6 अप्रैल 2020 को विजय महामंत्री, श्री राम, जय राम, जय जय राम का जाप करने के लिए अलग-अलग स्थानों पर लोग एकत्रि होंगे। यह मन्दिर के निर्माण में ''बाधाओं पर विजय'' सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था।लार्सन एंड टूब्रो ने मन्दिर के डिजाइन और निर्माण की नि:शुल्क देखरेख करने की पेशकश की और वह इस परियोजना के ठेकेदार हैं। केन्द्रीय भवन अनुसन्धान संस्थान, राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसन्धान संस्थान और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (जैसे बॉम्बे, गुवाहाटी और मद्रास) मिट्टी परीक्षण, कङ्क्रीट और डिजाइन जैसे क्षेत्रें में सहायता कर रहे हैं। रिपोर्टें सामने आईं कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सरयू की एक धारा की पहचान की थी जो मंदिर के नीचे बहती है।

राजस्थान से आए 600 हजार क्यूबिक फीट बलुआ पत्थर बंसी पर्वत पत्थरों से निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा।

परिवर्तनात्मक समारोह

मंदिर निर्माण आधिकारिक तौर पर 5 अगस्त को आधारशिला के समारोह के बाद फिर से शुरू हुआ। तीन दिवसीय वैदिक अनुष्ठानों को आधारशिला के समारोह से पहले आयोजित किया गया था, जो कि भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आधारशिला के रूप में 40 किलो चांदी की ईंट की स्थापना हुई। 4 अगस्त को रामार्चन पूजा की गई, सभी प्रमुख देवी-देवताओं को निमंत्रण दिया गया। भारत भर में कई धार्मिक स्थानों से भूमि-पूजन, मिट्टी और पवित्रपानी के अवसर पर त्रिवेणी संगम नदियों के गंगा, सिन्धु, यमुना, सरस्वती पर प्रयागराज, कावेरी नदी पर तालकावेरी, कामाख्या मंदिर असम और कई अन्य लोगों में, एकत्र किए गए थे।
लेख विकिपीडिया से

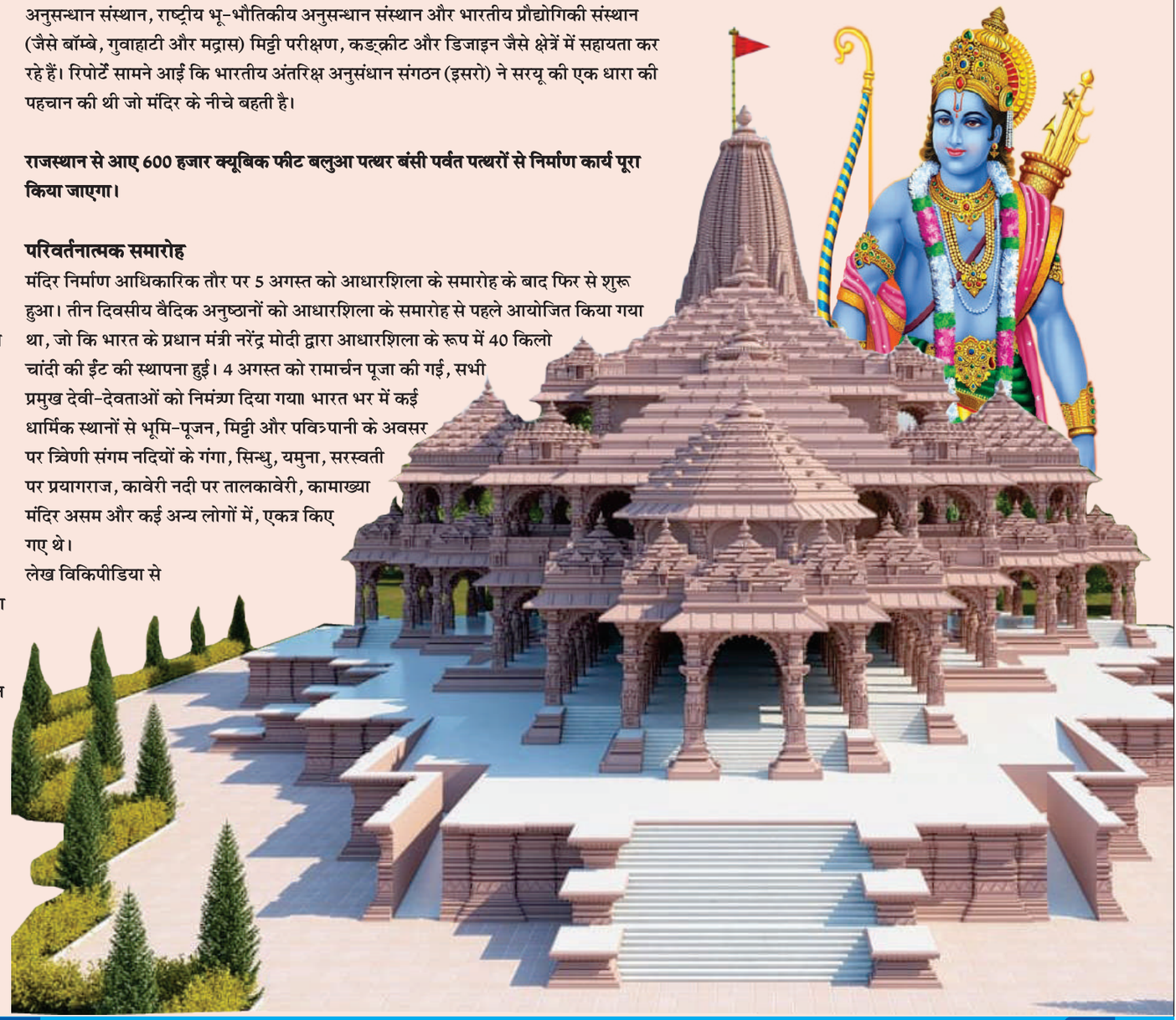

स्किन केयर

एलोवेरा का करें चेहरे पर इस्तेमालए तभी मिलेगा सही निखार

स्किन के लिए एलोवेरा के अनगिनत फायदों के बारे में तो सभी लोग जानते होंगे। लेकिन चेहरे पर इसका इस्तेमाल कैसे किया जाए, इसकी जानकारी हर किसी को नहीं होती है। जानिए चेहरे परएलोवेरा लगाने का तरीका क्या है।

चेहरे पर एलोवेरा कैसे लगाएं

त्वचा और बालों को खूबसूरत बनाए रखने के लिए एलोवेरा काफी फायदेमंद होता है। हालांकि इसका इस्तेमाल भी काफी लोग खूब करते हैं। एलोवेरा का इस्तेमाल आयुर्वेद में सदियों से किया जा रहा है। ब्यूटी प्रोडक्ट्स से लेकर कई तरह की दवाइयां बनाने में एलोवेरा का इस्तेमाल किया जाता है। इतना ही नहीं कई लोग सेहतमंद रहने के लिए एलोवेरा जूस पीते हैं, हालांकि, तमाम लोग ऐसे भी हैं जो बालों को चमकदार और खूबसूरत बनाने के लिए एलोवेरा का उपयोग करते हैं। इसके अलावा चेहरे पर एलोवेरा का इस्तेमाल कई लोग सीधे तौर पर करते हैं। लेकिन अगर आप अच्छा इफेक्ट पाना चाहती हैं, तो एलोवेरा का खास फेस पैक बनाकर इस्तेमाल कर सकती हैं। जिसमें मुल्तानी मिट्टी, चंदन, रोज पाउडर जैसी चीजें शामिल होती हैं। इसके अलावा भी एलोवेरा लगाने के कई तरीके हैं।

एलोवेरा क्लींजिंग

अगर आप भी अपना चेहरा साफ करने के लिए फेस वाश या फिर किसी और प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं, तो यहां आप एलोवेरा का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। एलोवेरा जेल से चेहरे पर क्लींजिंग कर सकते हैं। इसके लिए एलोवेरा जेल अपने चेहरे पर लगाएं। फिर हलके हाथों से चेहरे पर मसाज करें, और बाद चेहरे को अच्छे से धो लें। एलोवेरा में एंटी-ऑक्सीडेंट के साथ साथ मॉइश्चराइजिंग के गुण होते हैं। एलोवेरा से क्लींजिंग करने के बाद चेहरे की स्किन हाइड्रेट रहती है और चेहरे पर जमी गंदगी भी साफ होती है। अगर आप चेहरे की डीप क्लींजिंग करना चाहती हैं, तो इसमें आपकी मदद एकोवेरा अच्छे से कर सकता है।

एलोवेरा टोनर

बाजार में आजकल तरह तरह के टोनर की भरमार है। लेकिन बार नेचुरल गुणों वाले टोनर की भरमार है। लेकिन बार नेचुरल गुणों वाले टोनर की करें तो आपके पास एलोवेरा का भी अश्वप्शन है। इसके लिए एलोवेरा जेल लें, और जरूरत के हिसाब से थोड़ा सा पानी लेकर ब्लेंड कर दें। फिर एक स्प्रे बोतल में इस मिश्रण को डालकर अपने चेहरे पर टोनर की तरह इस्तेमाल करें। इससे स्किन में निखार आएगा।

एलोवेरा मेकअप रिमूवर

अगर आप एक अच्छा मेकअप रिमूवर ढूंढ रही हैं, तो यहां आपकी तलाश पूरी हो सकती है। एलोवेरा जेल का इस्तेमाल आप मेकअप रिमूवर के तौर पर कर सकती हैं। इसके लिए एक कश्वटन बश्वल में थोड़ा सा एलोवेरा जेल लें, और हल्के हाथों से मेकअप को साफ करें। एलोवेरा एक नेचुरल मेकअप रिमूवर होता है। इससे स्किन काफी साफ हो जाती है।

एलोवेरा मसाज

एलोवेरा जेल के इस्तेमाल से चेहरे की मसाज की जा सकती है। इसके लिए एलोवेरा जेल अपने हाथों में और चेहरे पर हल्के हल्के मसाज करें। इस तरह मसाज करने से स्किन का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहेगा। एलोवेरा में मौजूद विटामिन ई, विटामिन सी और विटामिन ए स्किन को ग्लोइंग और खूबसूरत बनाने में मदद करता है। इसके अलावा अगर आपको दाग धब्बों की समस्या है, तो हर रोज सोने से पहले रात के वक्त एलोवेरा जेल से चेहरे की मसाज करें, और सुबह नार्मल पानी से चेहरा साफ कर लें। फर्क आपको खुद नजर आने लगेगा।

एलोवेरा फेस पैक

आपने एलोवेरा का इस्तेमाल फेस पैक के तौर पर इस्तेमाल किया है? अगर हां तो आप चंदन के साथ फेस पैक तैयार कर सकती हैं। इसके लिए एलोवेरा जेल में एक चम्मच चंदन का पाउडर डालें और इस पेस्ट को अच्छे से मिक्स कर लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर अच्छे लगाएं और सूख जाने के बाद अच्छे से चेहरे को साफ कर लें। इस पैक को लगाने के बाद चेहरे में ग्लो बढ़ने के साथ एक्ने की समस्या दूर हो जाती है।

हर तरह की हिन्दी खबरों के लिए

www.noidaviews.com

NOIDA VIEWS नोएडा व्यूज हिन्दी समाचार पत्र

विज्ञापन व खबरों के लिए कॉल करें

9810402764

शरीर की सभी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाती है ये 5 एक्सरसाइज, पहले दिन से ही बढ़ेगा बॉडी का स्टेमिना

अगर आपको भी कभी-कभी ऐसा महसूस होता है कि आपका वर्कआउट काम नहीं कर रहा है तो आपको एक्सरसाइज में बदलाव करके देखना चाहिए। यहां हम आपको प्रभावशाली

एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं।

हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाली एक्सरसाइज अगर आप भी एक फिटनेस फ्रीक हैं या आप वजन कम करना चाहते हैं तो एक्सरसाइज करना आपके लिए काफी आवश्यक हो जाता है। कई बार कुछ लोग एक्सरसाइज ढंग से नहीं करते हैं और जब उन्हें नतीजे नहीं दिखाई देते हैं तो वह काफी मायूस हो जाते हैं। अगर आप एक्सरसाइज का नतीजा साथ-साथ देखना चाहते हैं तो आपको एक्सरसाइज को सही ढंग से करना चाहिए और एक्सरसाइज भी काफी प्रभावशाली चुननी चाहिए यहां हम आपको 5 बेहतरीन एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं जो शरीर की सभी हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत (Bone And Muscle Strengthening Exercisers At Home) बनाती है और इससे आपकी बश्वडी का स्टेमिना भी बढ़ता है। जो आप जिम में ही नहीं बल्कि अपने घर पर भी कर सकते हैं।

वॉकिंग

यह एक्सरसाइज नहीं है बल्कि आपकी दिनचर्या का एक पार्ट है। इसे लोग काफी हल्के में ले लेते हैं और कुछ लोगों का मानना होता है कि वाकिंग से उन्हें कोई नतीजे नहीं दिखते हैं लेकिन अगर आप ही स्थिति में है कि आप हैवी एक्सरसाइज नहीं कर सकते हैं या वेट ट्रेनिंग नहीं कर सकते हैं तो आपको वाकिंग से ही शुरुआत करनी चाहिए। इससे आपकी शारीरिक गतिविधि करने की आदत बन जाएगी और आप धीरे-धीरे वाकिंग को रनिंग और हाइट एक्सरसाइज में भी बदल सकते हैं। आप चाहे तो ट्रेडमिल पर रोजाना 10 मिनट वश्वकिंग कर सकते हैं।

इंटरवल ट्रेनिंग

आपको एक तरह के इंटेंसिटी लेवल को बरकरार रखना होता है और कुछ समय बाद उसे छोड़ देना होता है जैसे 2 मिनट के लिए आपको हाई इंटेंसिटी वकआउट करना होगा और उसके बाद आपको 2 मिनट के लिए ब्रेक लेना होगा या फिर लो इंटेंसिटी वकआउट करना होगा। ऐसा करने से आपकी ज्यादा कैलोरीज बर्न होंगी और आपका वजन कम होने में मदद मिलेगी।

स्क्वाट

स्क्वाट करते समय आपको इस तरह से शरीर की अवस्था में आना होगा जैसे आप कुर्सी पर बैठने वाले हैं लेकिन वह कुर्सी केवल काल्पनिक होगी। इस एक्सरसाइज से आपकी मसल्स को मजबूती मिलती है और आपके पैरों का खासकर, लोअर बश्वडी का फैट भी कम होता है। एक बार में आपको कम से कम 12 स्क्वाट करने होंगे और आप इस तरह दिन में तीन से चार सेट बना सकते हैं।

पुश अप

पुश अप करने से आपके शरीर की मजबूती का पता चलता है और इन्हें रोजाना करने से आपकी

चेस्ट शोल्डर और आर्म्स मसल मजबूत होने लगती हैं। इससे आपकी पेट की चर्बी भी कम हो सकती है। इसे करने के लिए आपको पेट के बल जमीन पर लेट जाना है और अपने हाथों को अपने कंधों से थोड़ा-थोड़ा रखना है आपको अपने पैर की उंगलियों के सहारे ऊपर की ओर उठने की कोशिश करनी है। इस समय केवल पैर की उंगलियों और हथेलियों को छोड़ कर आपके शरीर का कोई भी हिस्सा जमीन को टच नहीं करना चाहिए।

क्रंच

अगर आप एब्स बनाना चाहते हैं या पेट के फैट को कम करना चाहते हैं तो क्रंचेस एक्सरसाइज आपको जरूर करनी चाहिए। इसे करने के लिए आपको पीठ के बल जमीन पर लेट जाना है और पैरों को मोड़कर लेटना है इसके बाद आपको अपने हाथों को सिर के नीचे रख लेना है और छाती को धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाने की कोशिश करनी है लेकिन ध्यान रखें कि आपके हिप्स ऊपर नहीं उठने चाहिए। अगर रोजाना इन एक्सरसाइज को करते हैं और इन्हें ढंग से करते हैं तो बहुत जल्द ही आपको रिजल्ट देखने को मिल जाएगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड के अहम फैसले

ग्रेनो के किसानों को 10 फीसदी विकसित भूखंड देने पर बोर्ड की सहमति वेंडिंग जोन में 33 फीसदी आरक्षण व 296 लीज बैक के प्रकरणों को भी मंजूरी '75 हजार फ्लैट खरीदारों को आशियाना मिलने का रास्ता साफ

किसानों के लिए खोला राहत का पिटारा

गेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड बैठक में किसानों के लिए राहत का पिटारा खोल दिया है। प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट व उच्च न्यायालयों के आदेशों से संबंधित अधिसूचनाओं के समस्त किसानों को 10 फीसदी विकसित आबादी भूखंड भी दिए जाने के प्रस्ताव पर बोर्ड ने सहमति दे दी है। अब इसे शासन के पास भेजा जाएगा। वहां से अनुमोदन के उपरांत इसे लागू किया जाएगा। किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार की तरफ से चेयरमैन मनोज कुमार सिंह के समक्ष इस प्रस्ताव को रखा गया, जिस पर चेयरमैन ने इसे तत्काल स्वीकार कर लिया। अब इस पर अनुमोदन के लिए शासन को भेजा जाएगा। वहां से अप्रूवल के बाद किसानों को अधिग्रहित जमीन का 10 फीसदी (अधिकतम 2500 वर्ग मीटर) मिल सकेगा। इससे लंबे समय से किसानों की लंबित मांग पूरी हो जाएगी। पात्र किसानों को आरक्षण पत्र जारी किए जाएंगे। विकसित भूखंड का आवंटन शीघ्र भूमि अर्जित कर दिया जाएगा। अगर किसी पात्र किसान ने अवैध कब्जा कर रखा है तो उसे स्वेच्छा से अवैध कब्जा हटा लेने के बाद ही भूमि का आवंटन किया जाएगा। किसानों को शपथ पत्र देना होगा कि उनके पास आरक्षित या आवंटित भूखंड 2500 वर्ग मीटर से अधिक नहीं है। इस बाबत किसान की तरफ से अगर कोई याचिका या फिर विषेष अनुज्ञा अपील की गई है तो उसे वापस लिया जाएगा। बोर्ड ने इस प्रस्ताव को शासन को भेजने के निर्देश दिए हैं। किसानों की दूसरी मांग पर प्राधिकरण बोर्ड ने आपसी सहमति से भूमि विक्रय करने वाले किसानों को नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत परियोजना प्रभावित मानकर उन्हें भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुर्नव्यवस्थापन के हिसाब से उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (नये भूमि अधिग्रहण कानून) के तहत लाभ दिए जाने पर सकारात्मक फैसले के लिए शासन के पास भेजने पर हरी झंडी दे दी है। किसानों की तीसरी मांग के रूप में प्राधिकरण बोर्ड ने वेंडिंग जोन में किसानों को 33 फीसदी आरक्षण के प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया है।

'75 हजार फ्लैट खरीदारों को आशियाना मिलने का रास्ता साफ

ग्रेटर नोएडा में बिल्डरों के 117 प्रोजेक्ट में करीब 75 हजार फ्लैट खरीदारों को आशियाना दिलाने के मकसद से प्राधिकरण बोर्ड ने बहुत अहम लिया है। औद्योगिक विकास आयुक्त व नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित 133वीं बोर्ड बैठक में अमिताभ कांत समिति की सिफारिशें लागू करने पर शासन से जारी शासनादेश को अंगीकृत करने पर मुहर लग गई है।

20 हजार वर्ग मीटर तक के औद्योगिक भूखंडों के रेट बढ़ाने पर सहमति

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने 20 हजार वर्ग मीटर तक के भूखंडों की दरों में औसतन 12 फीसदी वृद्धि को मंजूरी दे दी है।

ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्टों में विजिटर्स पार्किंग अनिवार्य

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्टों में विजिटर्स पार्किंग 5% अनिवार्य करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

औद्योगिक, आईटी व संस्थागत इकाइयों को बोर्ड से राहत

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने निवेश व रोजगार को ध्यान में रखते हुए अब तक कंप्लीशन व फंक्शनल सर्टिफिकेट न ले पाने वाली औद्योगिक, आईटी व आईटीईएस को बडी राहत दे दी है।

बकाया जल मूल्य पर ओटीएस योजना

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने पानी के बकायेदारों को भी बड़ी राहत दे दी है। बोर्ड ने 31 मार्च 2024 तक की लंबित देय जल मूल्य धनराशि पर कार्यालय आदेश जारी होने की तिथि से 31 जनवरी 2024 तक डिफश्वल्ट धनराशि जमा करने पर कुल ब्याज में 40 फीसदी छूट मिलेगी।

सभी सेक्टरों में गंगाजल पहुंचाने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने गंगाजल परियोजना की भी समीक्षा की। चेयरमैन ने इस परियोजना पर तेजी से काम करते हुए सभी सेक्टरों तक शीघ्र गंगाजल पहुंचाने के निर्देश दिए।

आवसीय योजना 2010 के 231 आवंटियों को राहत

सेक्टर जीटा टू में आरपीएस 02 आवसीय योजना 2010 के 231 आवंटियों की तरफ से जमा धनराशि को वापस किए जाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूरी दे दी है।

आवासीय संपत्तियों के कार्यपूर्ति प्रमाणपत्रें के नियमों में ढील

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने एकल आवासीय भवनों के लिए कंपनशनेट ग्राउंड पर कार्यपूर्ति प्रमाणपत्रें के नियमों में राहत देने का निर्णय लिया है।

तीनों प्राधिकरणों की एसओपी जल्द

नोएडा-ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण की एसओपी जल्द बनाने की योजना है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने मैसर्स सार्क एसोसिएट्स को तीनों प्राधिकरणों की नीतियों, नियम और विनिमय में समरूपता लाने की जिम्मेदारी दी है।

प्राधिकरण व सीआरआरआई के मध्य एमओयू जल्द

केंद्रीय अनुसंधान संस्थान सीआरआरआई ग्रेटर नोएडा में आधुनिक तकनीक के जरिए सड़कों के निर्माण में और पारदर्शिता तथा गुणवत्ता बढ़ाने, वेस्ट मैटेरियल से बनी टाइल्स का फुटपाथ बनवाने, सड़कों का थर्ड पार्टी के रूप में असिस्मेंट करने, ट्रैफिक की प्लानिंग आदि में प्राधिकरण का सहयोग करेगा।

दिमाग पर जोर डालो

1. पृथ्वी पर दिन और रात होते हैं ?
a. दैनिक गति के कारण
b. वार्षिक गति के कारण
c. छमाही गति के कारण
d. तिमाही गति के कारण

3. पृथ्वी का सबसे भीतर वाला भाग क्रोड किसका बना होता है ?
a. ताँबा और जस्ता
b. निकेल और ताँबा
c. लोहा और जस्ता
d. लोहा और निकेल

3. 1857 के गदर के समय भारत का गवर्नर जनरल कौन था ?
a. लश्वर्ड केनिंग
b. नील आर्मस्ट्रांग
c. जश्वन मथाई
d. अन्य

4. इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फण्ड (Investor Protection Fund) किस संस्था ने स्थापित किया है ?
a. पूंजी मुद्दे ने
b. DLF ने
c. सेबी (SEBI) ने
d. अन्य

5. कुण्डापुर एंव करवार कच्छ वनस्पति स्थान कहाँ स्थित हैं ?
a. केरल राज्य में
b. कर्नाटक राज्य में
c. तमिल नाडु राज्य में
d. त्रिपुरा राज्य में

6. भारत में प्रथम स्थापित परमाणु-संयंत्र (Atomic Plant) कौन-सा है ?
a. तारापुर परमाणु संयंत्र
b. कैटेनोम परमाणु संयंत्र
c. कुडनकुलम परमाणु संयंत्र
d. अन्य

7. अशोक के शिलालेखों की लिपि क्या है ?
a. सिकन्द लोदी
b. अकबर
c. बहलोल लोदी
d. शाहजहाँ

8. अशोक के शिलालेखों की लिपि क्या है ?
a. गुरुमुखी
b. ब्राह्मी
c. देवनागरी
d. हयरोग्लाइफिक्स

9. धान की खेती के लिए उत्तम मिट्टी कौन सी है ?
a. सख्त मिट्टी
b. काली मिट्टी
c. दोमट मिट्टी
d. लाल मिट्टी

10. गायत्री मंत्रकिस पुस्तक से लिया गया है ?
a. ऋग्वेद
b. सामवेद
c. यजुर्वेद
d. अथर्ववेद

संदीप कुमार

उत्तर : 1. (a), 2. (d), 3. (a), 4. (c), 5. (b), 6. (a), 7. (a), 8. (b), 9. (c), 10. (a)

थोड़ा मुस्कुरा लो

Offline रहता हूँ तो सिर्फ दाल, रोटी, नौकरी एवं
परिवार की ही चिंता रहती है व्दसपदम होते ही
धर्म, समाज, राजनीती, देश, विश्व
और पूरे ब्रह्माण्ड की चिंताए
होने लगती है
आम भारतीय नागरिक

ये वो दौर है जनाब
जहां इंसान गिर जाये तो
हँसी निकल जाती है
और मोबाईल गिर जाये तो
जान निकल जाती है

एक भिखारी को 100 का नोट मिला
वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया
1500 रुपये का बिल आया, उसने मैनेजर से
कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले
कर दिया भिखारी ने पुलिस को 100 का
नोट दिया, और छूट गया इसे कहते हैं...
फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया

एक लड़की एक लड़के के साथ बैठी थी,
दूसरे दिन दूसरे लड़के के साथ बैठी थी,
तीसरे दिन तीसरे लड़के के साथ बैठी थी,
इस कहानी से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है?
लड़के बदल जाते हैं पर लड़कियां नहीं

महिला- डश्वक्टर साहब, मेरे पति नींद में
बातें करने लगे हैं! क्या करूँ?
डश्वक्टर- उन्हें दिन में बोलने का
मौका दीजिए!

GLOBAL
BUSINESS SQUARE
RERA NO. UPRERAPRJ6745

अपनी दुकान का किराया पायें
पोजेशन से पहले भी और
पोजेशन के बाद भी

13% ASSURED RENTAL FROM DAY 1

ASSURED LEASE GUARANTEE WITH LEADING BRANDS

ASSURED GIFT ON EVERY BOOKING

GLOBAL SONA CHANDI OFFER

HYPER MARKET & FOOD COURT
START FROM
15 LAKH

Site Address : Plot No. C-10,
Sector-Delta-1, Wipro Chowk, Greater Noida

26 January Republic Day
की हार्दिक शुभकामनायें

FOR ANY ENQUIRY CALL:
7290087008

OUR BRANDS PARTNERS
Park Plaza | CONNPLEX | chicago pizza | LIBERTY | KEVENTERS

RISE GROUP
REAL ESTATE BY REAL ARCHITECTS

अक्षरधाम से सिर्फ 25 MINUTE दूर, सिर्फ 25 LAKH में घर*

PAY JUST 10% • EMIs AFTER POSSESSION

FEW UNITS LEFT

आर्गेनिक घर एक पूर्ण रूप से आर्गेनिक आवासीय अनुभव देने के लिए बने हैं। यह घर सामाजिक मेलजोल, काम करने या बस आराम करने के लिए एकदम लुभावने हैं। खुली क्रॉस वेंटिलेशन पर केन्द्रित डिजाईन वाले यह घर, खूब सूरज की रोशनी और ताज़ा हवा प्रदान करते हैं। इतना ही नहीं, इसके अलावा आपको मिलेगा एक स्विमिंग पूल, ओपन स्पेस ग्रीन टेरेस, एक आधुनिक फिटनेस सेंटर और बहुत कुछ!

परियोजना सुविधाएं

• स्विमिंग पूल • योगा लॉन • बैडमिंटन कोर्ट • सैंड पिट • जॉगिंग ट्रैक • बच्चों के खेलने का क्षेत्र • भूलभुलैया • बच्चों का पूल • एम्फीथिएटर • ध्यान क्षेत्र • फूलों का विस्तार • प्राकृतिक चिकित्सा • शॉपिंग स्ट्रीट • क्लब • पार्टी लॉन • पानी का फव्वारा

ORGANIC GHAR

LAL KUAN, NH 24, GHAZIABAD

*शर्तें लागू

MARKETING PARTNER:
TRUEVISORY
TRUE TO YOU

8008 8009 77

Site Address:
GH-03, Block-A,
Jaipuria Sunrise Greens,
NH-24, Ghaziabad, U.P.
RERA No. UPRERAPRJ4403

OTHER PROJECTS BY RISE GROUP

RISE Resort Residences • FOREST FLOORS • WATER VILLAS • RISE SQUARE • RETAILIA • RISE SHOPLEX • RISE • Organic Homes NH-24 GHAZIABAD, OPP. MANIPAL HOSPITAL • RISE Sports Villas • RISE FOOD MALL • SUPER30